मिल्ट महथा आदर्श महाविद्यालय, करेड़ी, दरभंगा
(L.N.M.U)

मैथिली प्रतिष्ठा
स्नातक तृतीय खण्ड
पंचम पत्र - मैथिली साहित्यक इतिहास
आधुनिक काल मात्र

नरेश कुमार
सहायक प्राचार्य
मैथिली विभाग
दिनांक 19/09/2020

व्याख्यानक संक्षिप्त अंश (दोसर भाग)

प्रश्न :- यात्री जीक काव्य समीक्षा करु।

उत्तर :- ---- हुनक मुखाकृति छन्हि प्रसन्न दीपित आइबात जकाँ।
हमर कोढ़ धुल थरथर कपइत करिक पात जकाँ॥
हम उदास हथिया मे झपसी लागल प्रात जकाँ।
ओ सिहकइ छथि मुदा वसन्तक मधुर बसात जकाँ॥

'विलाप' शीर्षक कवितामे बाल-विधवाक हृदयक अन्तर्वेदना के नाटकीय ढंगसँ उल्लेख कयल गेल अछि। एहि सब गुण पर डॉ० जयकान्त मिश्र हुनका विषय में History of Maithili literature मे लिखने छथि - The images, the thought, the feeling and the association, all are born of actual experience

भाव एवं भाषा दुहू क्षेत्रमे साहित्यमे ओ नवीन क्रान्तिक अग्रदूत छथि। मुक्त छन्द मे लिखल गेल हिनक कविता पर्याप्त लोकप्रियता प्राप्त कयलक अछि। जनगीतमे रचना एवं ठेठ मैथिली शब्दक यात्रीजी नीक प्रयोग करइ छथि।

end

19/09/2020